4 संधि

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- संधि को समझाना, भेदों को जानना, उपभेदों को समझाना।
- संधि में प्रयुक्त ध्वनियों के बारे में जानना।
- संधि-विच्छेद को समझाना।
- संधि के नियमों को समझकर शब्द-निर्माण प्रक्रिया जानना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- 'संधि' शब्द से क्या समझ आता है?
- 'हिमालय' में कौन-कौन से शब्द सुनाई देते हैं?
- 'शिष्ट' और 'आचार' शब्दों को मिला दिया जाए, तो कौन-सा शब्द बनेगा?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना—
  - दो ध्वनियों के मेल को संधि कहते हैं।
  - संधि के तीन भेद हैं—स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि।
  - स्वर संधि के पाँच उपभेद हैं— दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण् तथा अयादि।
  - व्यंजन संधि के अनेक नियम हैं।
  - विसर्ग संधि के भी अनेक नियम हैं।
  - संधि के नियमों को समझने के बाद शब्दों की अशुद्धि संभव नहीं।
  - संधि के नियम भाषायी सौंदर्य को बढ़ाते हैं।
- स्वर संधि के भेदों के उदाहरणों की विस्तारपूर्वक चर्चा।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।